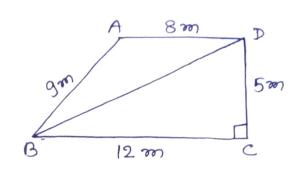
1.> चतुर्जुजाकार पार्क ABCD में,

$$ZC = 90^{\circ}$$
 $AB = 9m$
 $BC = 12m$
 $CD = 5m$
 $AD = 8m$

ः BD को मिलाया |



$$BD = \int BC^{2} + CD^{2}$$

$$= \int 12^{2} + 5^{2}$$

$$= \int 144 + 25$$

$$= \int 169$$

$$= 13 \text{ m}$$

△BDC =
$$\frac{1}{2}$$
 × 311 cult × 35 = $\frac{1}{2}$ × BC × CD = $\frac{1}{2}$ × 12 × 5 = 30 m²

$$a = 9m$$
 $b = 8m$
 $c = 13m$

$$S = \frac{a+b+c}{2} = \frac{9+8+13}{2} = \frac{30}{2} = 15 \text{ m}$$

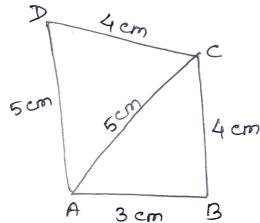
$$\triangle ABD \Rightarrow BT = [S(S-a)(S-b)(S-c)]$$

$$= [IS(IS-9)(IS-8)(IS-I3)]$$

=
$$\int 15 \times 6 \times 7 \times 2$$

= $\int 1260$
= $35.5 \, \text{m}^2 \, (4514531)$

$$DA = 5 cm$$



$$S = \frac{a+b+c}{2} = \frac{3+4+5}{2} = \frac{12}{2} = 6 \text{ cm}$$

हीरोन के सूत्र से,

$$=$$
 $\int 6(6-3)(6-4)(6-5)$

$$= \int 6 \times 3 \times 2 \times 1$$

:
$$S = \frac{a+b+c}{2} = \frac{5+5+4}{2} = \frac{14}{2} = 7 \text{ cm}$$

 हीरीन के सूत्र सं,

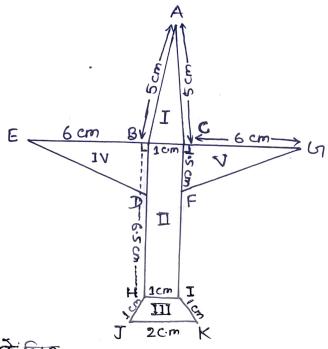
$$\Delta ADC$$
 का क्षेठ = $\int S(S-a)(S-b)(S-C)$
= $\int 7(7-5)(7-5)(7-4)$
= $\int 7 \times 2 \times 2 \times 3$
= $\int 84$
= $9.2 \text{ cm}^2(451457)$

ं चतुर्मु ABCD का क्षेत = AABC का क्षेत्र + AADC का क्षेत्र

$$= 6 + 9.2 \text{ cm}^2$$

= 15.2 cm²

Ang



भाग (I) कें, लिए,

$$S = \frac{a+b+c}{2} = \frac{5+S+1}{2} = \frac{11}{2}$$
 cm

21151-(II) & ME,

आयत BHIC का क्षेत्र = अम्बार X-चीड़ार्र = 6.5 X | = 6.5 c·m2

भाग-(॥) हे लिए

HFIIK विचा तथा HMIJK बनाया/H ·: HFKI चतुर्जुज में HFIIIK HIIIFK

· HFKI एक समान्तर्चतुर्गि है। J M 1-

· HF=IK=1cm HI= FK = 1 cm

: JF = 2-1 = 1 cm

र्धप्रकार विभाग एक समजाह क्रिशुज है।

ं समवाह् AHJF का क्षेत्र = 53 x मुजा 2 $=\frac{\sqrt{3}}{\sqrt{3}}\times 1\times 1$ $-\frac{\sqrt{3}}{11}$ cm²

42-7

AHJF \$TERO = 1 XJFXHM

$$\Rightarrow \frac{\sqrt{3}}{4} = \frac{1}{2} \times 1 \times HM$$

$$= \frac{\sqrt{3} \times 2}{42} = \frac{\sqrt{3}}{2} = cm$$

ं समलम्ब चतुर्जीन HIKI का क्षेठ = र्रXHMX (HI+ JK) $=\frac{1}{2}\times\frac{\sqrt{3}}{3}\times(1+2)$

$$= \frac{\sqrt{3}}{4} \times 3$$

$$= \frac{3\sqrt{3}}{4} \text{ cm}^2$$

भाग-(V) तथा भाग-(V) तीनी खराबर ही

ं समर्जेण A BED का क्षेठ = A CUF का क्षेठ

.. A Ch F ONT 20 - 4.5 cm2

ं प्रयोग फिर गर कागज का कुल क्षेत्रफल

= DABC डा क्षेठ + आयत BHIC डा क्षेठ + समलम्ब चतुर्जुज HJKI डा क्षेठ + DBED डा क्षेठ + DCGF डा क्षेठ

$$= 18 + \frac{3\sqrt{3}}{4}$$

$$=$$
 18 + $\frac{3 \times 1.732}{4}$

$$=$$
 18+ $\frac{5.196}{4}$

Any

$$S = \frac{a+b+c}{2}$$

हीरोन के सूत्र से,

D

$$=$$
 2×3×7×4×4×2×7×2×2×3

$$= 336 \, \text{cm}^2$$

3भीर

समान्तर्-यतुर्जुज ABCD का क्षेठ = ≥आधार X क्रेंचार्ड

प्रश्न से,

△ ABE का क्षेठ = समान्तर चतुर्जुज का क्षेठ

$$=$$
 35 - 12 $=$ $\frac{336\cdot12}{28}$ $=$ 12 e.m

A

30 m

3000

(5) माना वि,

ABCD एक समचतुर्जुजाकार खास का मेदान है जिसमें, 30m

950 AC= 48m

ः समन्त्रमुज के विकर्ण परस्पर अम्बवत् समद्विभाजित फरते है।

$$OA = OC = \frac{1}{2}AC = \frac{1}{2}X48 = 24 \text{ cm}$$

$$OB = OD = \frac{1}{2}BD$$

समजीवा 1 म03 में,

$$0B = \int AB^{2} - 0A^{2}$$

$$- \int 30^{2} - 24^{2}$$

$$- \int 900 - 576$$

$$- \int 324$$

$$- 18m$$

समचतुर्जुज का क्षेत्रफल = 1 XACX BD $=\frac{1}{2} \times 48 \times 36$

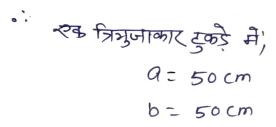
= 24×36

- 864 m2

ं 18 जायों के स्वरने के क्षेत्रफल = 864m²-

48 ं प्रत्येक जाय को चरने के सिए धास के खेत का क्षेत्र = 48 m²

(6.) : दी विजिन्न रंगी के कपड़ी के 10 जिमुजाकार टुकड़ी की सीकर एक छाता अनाया गया है।



C = 20 cm

रिक प्रिम्माकारी देकों का क्षेत्र = S(S-a)(S-b)(S-C)

347°, 10 [73/m/4/ 2/45] \$1 \$10 = 10x200] - 2000] (-m2-

A

A

I

(7) · वर्जी का प्रत्येक विकर्ण = BC= 32cm

ं वर्ज के विकर्ण परस्पर लम्बवत् रामानिमानित्र करते हैं।

OA = OD = 16 cm

बौड़-1) के लिए_, ΔΑΒ¢ में',

> आन्धार = BC = 32 cm जन्मार = AO = 16 cm

- 256 cm²

उपतः औड री में प्रयुक्त कागाज 256 cm² है।

<u>बैंड</u>-(1) के लिए,

ABCD A

आधार = BC = 32 cm ज्ञेंचार्र = OD = 16 cm

- ABCD ST &TO = \frac{1}{2} \times BC \times OD

= \frac{1}{2} \times 32 \times 168

- 256 cm²

अतः और-ण में प्रयुक्त कागज 256 cm² ही

शैंड -(गों) के लिए

ADEF A,

a = 6 cm

b = 6 cm

 $S = \frac{a+b+c}{9} = \frac{6+6+8}{2} = \frac{20}{2} = 10 \text{ cm}$

हीरोंन के सूत्र से,

ADEF & 20 = S(S-a)(S-b)(S-c)

= 10(10-6)(10-6)(10-8)

- 10 x 4 x 4 x 2

= 5x2x4x4x2

- 2 x4,5

= $8J5 \text{ cm}^2$ = $8\times 2.24 = 17.92 \text{ cm}^2 \text{ (MSTURD)}$

अतः औड - मिं प्रयुक्त कागाज 17.92cm² हैं।

(8) : फर्बी पर एक फूलों का डिजाइन 16 त्रिभुजाकार् टाइलीं से बनाया जयाही

एक त्रिमुजाकार् राइल की भुजारें

$$a = 9 cm$$

$$S = \frac{Q+b+C}{2}$$

$$=\frac{9+28+35}{2}$$

= 36 cm

हीरोन है भूत्र से,

(9.) समालम्ब चतुर्जुन ABCD में,

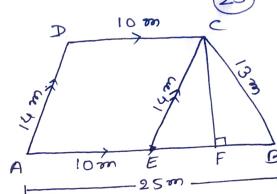
AB = 25m

CD=10m

AD = 14m

BC=13m

CEIIDA रवींचा तथा CFIABरवींचा।



· AEIIDC ATT ADIIEC

·· AECD एड समानार-जानुजी होगा

· AE = DC = 10 m

AD = EC = 1400

EB= 25-10=15m

ABEC A,

a= 14 m

b = 13 m

c = 15 m

 $S = \frac{9+b+c}{2} = \frac{14+13+15}{9} = \frac{42}{2} = 21m$

हीरोंन के सूत्र से,

1 BEC \$1 €10 = S(S-a)(S-b)(S-C)

= 21(21-14)(21-13)(21-15)

= 21 X 7 X 8 X 6

= 3×7×7×2×2×2×2×3

= 2x2x3x7

= 84 m²

-:
$$AHMHBI = \frac{1}{2}x^{2}$$
 $= \frac{1}{2}x + \frac{56}{5}x(25+10)$

$$= \frac{1}{2}x + \frac{56}{5}x(25+10)$$

$$= \frac{1}{2}x + \frac{56}{5}x + \frac{28}{5}x + \frac{75}{5}x + \frac{196}{5}x + \frac{196}$$

X